संख्या-410/2017/2409/22-2-2016-17(464)/2016

प्रेषक,

सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर,
संयुक्त सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2 ***लखनऊ: दिनांक 08 जून, 2017***

विषय:- जिला कारागार, अलीगढ़ में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी राजवीर पुत्र श्री तेजसिंह निवासी जनपद-अलीगढ़ की दयायाचिका के आधार पर समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-42941/प्रोबे0-5-द0या0 बैठक-28.10.2016 दिनांक 02.12.2016 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- आपके उक्त पत्र दिनांक 02.12.2016 द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार जिला कारागार, अलीगढ़ में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी राजवीर पुत्र श्री तेजसिंह, निवासी-ग्राम-नगला डाण्डा, थाना-पिसावा, जनपद-अलीगढ़ का रहने वाला है। बन्दी द्वारा विधान सभा के चुनाव की रंजिश को लेकर दिनांक 23.11.89 को 06 सहअभियुक्त के साथ मिलकर बन्दूक एवं देशी तमन्चा से गोली मारकर 02 व्यक्तियों की हत्या कर अपराध कारित किया गया है। उक्त अपराध के लिए बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-159/1990 में भा0द0वि0 की धारा-302/149, 307/149, 148, 452 के अन्तर्गत मा0 विशेष न्यायाधीश (ई0सी0एक्ट0), अलीगढ़ के आदेश दिनांक 12.06.1991 को आजीवन कारावास के दण्ड से दण्डित किया गया। मा0 उच्च न्यायालय के आदेश दिनांक 11.10.2007 द्वारा अपील को निरस्त करते हुए आजीवन कारावास को बहाल रखा गया। बन्दी द्वारा दिनांक 16.10.2016 तक 09 वर्ष 10 माह 09 दिन की अपरिहार एवं 12 वर्ष 08 माह 29 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक तथा जिला मजिस्ट्रेट द्वारा बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है। दयायाचिका समिति द्वारा कारित अपराध की प्रकृति, काटी गयी सजा, जिला मजिस्ट्रेट तथा पुलिस अधीक्षक की आख्या के दृष्टिगत समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है। सक्षम स्तर पर यह पाया गया कि बन्दी के 03 सहअभियुक्त अभी जेल में हैं तथा समिति द्वारा रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है। अत: समय से पूर्व रिहाई का औचित्य स्थापित नहीं होता है।

3- उपर्युक्त वर्णित तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि बन्दी राजवीर (बन्दी संख्या-385/2008) पुत्र श्री तेजसिंह, निवासी-जनपद-अलीगढ़ की संविधान के अनुच्छेद-161 के अन्तर्गत दयायाचिका के आधार पर समयपूर्व रिहाई सम्यक् विचारोपरान्त शासन द्वारा **अस्वीकार** कर दी गयी है। कृपया उपरोक्त से बन्दी को भी अवगत कराने का कष्ट करें।

भवदीय,

(सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर)
संयुक्त सचिव।

संख्या-410/2017/2409/(1)/22-2-2016 तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- जिला मजिस्ट्रेट, अलीगढ़।
2- निजी सचिव, मा0 राज्यमंत्री, कारागार विभाग को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ।
3- अधीक्षक, जिला कारागार, अलीगढ़।
4- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर)
संयुक्त सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in